MANAGE Bulletin
www.manage.gov.in
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज) अप्रैल 2022

महानिदेशक का संदेश

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 की शुरुआत गतिविधियों से भरपूर रहा। माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मैनेज द्वारा प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैनेज को प्राकृतिक खेती पर नोडल एजेंसी और ज्ञान भंडार के रूप में मान्यता दी गई है और अप्रैल से अगस्त 2022 तक देश में 30,000 ग्राम प्रधानों को कवर करते हुए प्राकृतिक खेती पर 750 जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाना हैं। मैनेज देश में प्राकृतिक खेती पर मास्टर ट्रेनर भी विकसित करेगा।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के किसान भागीदारी प्राथमिक हमारी अभियान के एक भाग के रूप में, मैनेज ने भारत सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया और 3.24 लाख किसानों और हितधारकों को कवर किया।

अप्रैल 2022 में, मैनेज ने भौतिक मोड में समेति के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें समेति के निदेशक और संकाय सदस्य शामिल थे इस राष्ट्रीय सम्मेलन ने समेति के सामने आने वाले मुद्दों, उनकी भविष्य की भूमिका और संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने में मदद की।

मैनेज ने भागीदारों के साथ दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिनमें किसान उत्पादक संगठनों के सतत विकास के लिए व्यापक विस्तार रणनीतियों पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी शामिल है: इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन (आईएनएसईई) के साथ मुद्दे और चुनौतियां और कृषि विस्तार में नवाचारों पर एक राष्ट्रीय संवाद: नई दिल्ली में आगे का रास्ता, टीएएएस, आईसीएआर, एमए व एफ डब्ल्यू और एमएसयू के सहयोग से इन दोनों आयोजनों में कृषि विस्तार, एफपीओ, अकादमिक, कृषि व्यवसाय क्षेत्र, गैर सरकारी संगठनों आदि क्षेत्रों के 450 से अधिक विशेषज्ञों ने मुद्दों पर मंथन किया और कार्यवाही को समृद्ध किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक

इस अंक में....

- माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मैनेज द्वारा प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्घाटन किया
- किसान भागीदारी, प्राथमिक हमारी अभियान
- समेतियों का राष्ट्रीय सम्मेलन - 2022
- कृषि विस्तार में नवाचारों पर राष्ट्रीय वार्ता
- किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी
- साझेदारी एमएसयू को मजबूत करने पर गोलमेज बैठक
- डॉ. डेनियल गुस्ताफसन, एफएओ प्रतिनिधि ने मैनेज का दौरा किया
- कृषि इनपुट विपणन पेशेवरों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम
- एमएसयू-विस्तार टीम द्वारा मैनेज का दौरा
- एग्रीकल्चर टुडे पत्रिका ने मैनेज की सराहना की
- मैनेज कृषि ज्ञानदीप नॉलेज लेक्चर सिरीज

माननीय मंत्री श्री. नरेंद्र सिंह तोमर ने मैनेज द्वारा प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्घाटन किया

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 05 अप्रैल, 2022 को मैनेज द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में माननीय राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, माननीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, श्री मनोज आहूजा, आईएएस, सचिव (कृषि), श्री प्रिय रंजन, आईएफओएस, संयुक्त सचिव, एमए एंड एफडब्ल्यू के साथ अन्य मंत्रालय के अधिकारी, मैनेज संकाय और संसाधन व्यक्ति ने भाग लिया इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से 225 मास्टर ट्रेनर्स ने भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, माननीय मंत्री ने कहा कि मैनेज को आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में अप्रैल से अगस्त 2022 तक देश में 30,000 ग्राम प्रधानों (ग्राम प्रधानों) को कवर करते हुए प्राकृतिक खेती पर 750 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का काम सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों को काफी फायदा होगा और उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में एफपीओ के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने माननीय प्रधान मंत्री के कार्यक्रम के सक्रिय निष्पादन में मैनेज के योगदान की भी सराहना की।

प्राकृतिक खेती की पृष्ठभूमि बताते हुए माननीय केंद्रीय मंत्री श्री तोमर जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में पारंपरिक प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की पहल की है। प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय सम्मेलन जो 16 दिसंबर, 2021 को गुजरात में आयोजित किया गया था, जिसमें लाखों किसानों उपस्थिति थे, प्रधान मंत्री के नेतृत्व में, आवश्यक मार्गदर्शन और रोडमैप तय किया।

सरकार पारंपरिक स्वदेशी तकनीकों (पीकेवीवाई) को प्रोत्साहित करने के लिए परम्परागत कृषि विकास योजना की उप-योजना के रूप में भारतीय प्राकृतिक कृषि प्रणाली (बीपीकेपी) को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं से प्राकृतिक खेती पर सरकार के मिशन को विविध तरीकों से आगे बढ़ाने का आग्रह किया। एक नोडल एजेंसी और प्राकृतिक खेती पर ज्ञान भंडार के रूप में मैनेज, 30,000 ग्राम प्रधानों को 750 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा, विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर संगठनों, एसएएमईटीआई, अटारी, केवीके और एटीएमए साथ ही अनुभवी पेशेवर, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के संगठनों के किसान से तैयार प्राकृतिक खेती में मास्टर ट्रेनरों को भी विकसित करेगा।

उद्घाटन सत्र में कृषि सचिव श्री मनोज आहूजा, संयुक्त सचिव श्री प्रियरंजन और मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेखरा ने भी संबोधित किया। डॉ. एन. बालसुब्रमणि, निदेशक (एसए एंड सीसीए), डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), और डॉ. शैलेंद्र, उप निदेशक (बीएस), मैनेज इन कार्यक्रमों के समन्वयक हैं।

मैनेज द्वारा "किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी" अभियान

माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों के तहत विभिन्न संगठनों के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में 25 से 30 अप्रैल 2022 तक भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए देश भर में कृषक समुदाय के लिए उनके लाभ के लिए किसान भागीदारी प्राथमिकी हमारी अभियान शुरू किया।

अभियान का उद्देश्य चल रहे खरीफ सीजन 2022 में पीएमएफबीवाई के प्रमुख योजना पहलुओं जैसे बुनियादी योजना प्रावधानों, फसलों को सुनिश्चित करने का महत्व और योजना का लाभ कैसे प्राप्त करें आदि से किसानों को अवगत कराना था, साथ ही पीएमएफबीवाई योजना से किसानों को लाभ प्राप्त करने में सुविधा प्रदान कराना है।

अभियान के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने किसानों के लिए क्षेत्रीय स्तर पर देशव्यापी कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र पर कृषि मेला का आयोजन और प्राकृतिक खेती पर एक क्षेत्र प्रदर्शनी, सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) द्वारा आयोजित फसल बीमा पर देशव्यापी कार्यशाला, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पर वेबिनार, और सरकार की विभिन्न योजनाओं पर कई कार्यशालाओं, वेबिनार और कार्यक्रमों के अलावा 75 चयनित किसानों और उद्यमियों का राष्ट्रीय आत्म निर्भर भारत सम्मेलन शामिल थे। देश भर में प्रत्यक्ष (ऑफलाइन) और वर्चुअल (ऑनलाइन) माध्यमों से उक्त अभियान में 1 करोड़ से अधिक किसानों और हितधारकों ने भाग लिया है।

मैनेज द्वारा कृषि स्टार्टअप पर कार्यशाला

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के आदेश पर मैनेज ने 25 अप्रैल 2022 को एग्री स्टार्टअप्स पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें आरकेवीवाई-रफ़्तार के तहत मैनेज द्वारा समर्थित 84 एग्री स्टार्टअप और स्टार्टअप्स से जुड़े 150 से अधिक किसान शामिल थे। 30 से अधिक एग्री स्टार्टअप्स को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से अपने उत्पादों, व्यावसायिक विचारों को पेश करने और यह समझाने का अवसर दिया गया कि एग्री स्टार्टअप किसानों के लिए कैसे फायदेमंद हैं।

कार्यशाला के दौरान, मैनेज के महानिदेशक, डॉ. पी.चंद्रा शेखरा ने एग्री स्टार्टअप्स और किसानों को मैनेज द्वारा संचालित सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में संबोधित किया और बताया कि कैसे मैनेज प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से किसानों का समर्थन कर रहा है। श्री टी.एन. वेंकट रेड्डी, सेवानिवृत्त प्रो. जीकेवीके, बैंगलोर ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्टार्टअप्स और किसानों के साथ बातचीत की और किसानों को समर्थन देने के लिए सरकारी योजनाओं और इन योजनाओं का लाभ उठाकर किसान कैसे लाभन्वित हो सकते है, के बारे में बताया। डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज ने कार्यशाला का समन्वयन किया।

समेतियों का राष्ट्रीय सम्मेलन - 2022

मैनेज ने अपने परिसर में 28 - 29 अप्रैल, 2022 के दौरान राज्य कृषि प्रबंधन और विस्तार प्रशिक्षण संस्थानों (एसएएमईटीआई) के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर से 23 समेति के निदेशकों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। राष्ट्रीय सम्मेलन ने समेति को कृषि-संस्था के विकास में महत्वपूर्ण नवाचारों पर प्रकाश डाला, समेति के सामने आने वाले मुद्दों पर चर्चा की, उनकी भविष्य की भूमिका की कल्पना की, और समेति की संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाने के तरीकों पर काम किया।

अपनी परिचयात्मक टिप्पणी में, मैनेज के महानिदेशक, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा ने कहा कि सार्वजनिक, निजी, गैर सरकारी संगठनों, कृषि उद्यमियों और अन्य हितधारकों को शामिल करते हुए विस्तार गतिविधियों में बॉटम-अप योजना और विकेन्द्रीकृत निर्णय लेने की आवश्यकता है। उन्होंने लाभार्थी योगदान के माध्यम से विस्तार सेवा में जवाबदेही और दक्षता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समेति को राज्य सरकारों को नीतिगत सहायता प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए।

श्री. सैमुअल प्रवीण कुमार, संयुक्त सचिव (विस्तार), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि समेति को कृषि विस्तार में सुधारों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि समेति को संस्थागत दक्षता में सुधार के लिए अभिसरण, क्षमता निर्माण, संचार, वाणिज्यिक दृष्टिकोण और सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

श्री. बलराम सिंह, संयुक्त निदेशक (विस्तार सुधार प्रकोष्ठ), कृषि और किसान कल्याण विभाग, एमए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार ऑनलाइन कार्यक्रमों में शामिल हुए और समेति और उनके द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे कार्यक्रमों की स्थिति को साझा किए। बाद में समेति के लिए मैनेज कार्यक्रमों के साथ भागीदारी करने के अवसरों पर एक सत्र आयोजित किया गया, जिसके बाद प्रतिभागियों द्वारा समेति की बाधाओं को दूर करने के लिए समाधानों और रणनीतियों की पहचान करने के लिए एक समूह कार्य किया गया।

दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान, समेति के प्रमुखों और संकाय सदस्यों ने एसीएबीसी, देसी, पीजीडीएईएम, सीएफए/सीएलए, सीसीआईएनएम, एग्री स्टार्टअप्स जैसे चालू कार्यक्रमों और योजनाओं पर मैनेज फैकल्टी सदस्यों द्वारा दिए गए सत्रों की एक श्रृंखला की अध्यक्षता और सह-अध्यक्षता की। कृषि व्यवसाय शिक्षा, पीजी छात्रों और पीएचडी विद्वानों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम, संबद्ध विस्तार, पोषक तत्वों के प्रति संवेदनशील कृषि, प्राकृतिक खेती, मैनेज एफपीओ अकादमी, आईसीटी, समेति द्वारा संभावित सहयोग की खोज के लिए मैनेज प्रशिक्षण कैलेंडर 2022-23

मुद्दों पर मंथन करने और समाधान निकालने के लिए, प्रतिभागियों ने समेति की चुनौतियों पर समूह कार्य किया और रणनीतिक समाधानों पर प्रस्तुतियाँ दीं। सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सम्मेलन के भाग के रूप में, डॉ. सी. वासुदेवप्पा, कुलपति, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता संस्थान, कुंडली, सोनीपत, हरियाणा ने प्रतिभागियों को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से मैनेज कृषि ज्ञानदीप नॉलेज लेक्चर सिरीज के तहत "कृषि में संस्थागत निर्माण" पर व्याख्यान दिया।

समापन सत्र के दौरान, मैनेज के महानिदेशक, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा ने दोहराया कि मैनेज राज्यों में मिनी-मैनेज के रूप में समेति के निर्माण के लिए अपना सहयोग देगा और घोषणा की कि समेतियों के मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और अपने-अपने राज्यों में कृषि विस्तार प्रणाली को मजबूत करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए मैनेज हर साल समेतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करेगा, यदि संभव हो तो देश में विभिन्न स्थानों पर करेगा। डॉ. जी. जया, निदेशक, कृषि संस्थान के क्षमता निर्माण केंद्र, मैनेज ने राष्ट्रीय सम्मेलन का समन्वय किया।

कृषि विस्तार में नवाचारों पर राष्ट्रीय वार्ता

मैनेज ने 8-9 अप्रैल, 2022 को ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट इन एग्रीकल्चरल साइंसेज (TAAS), नई दिल्ली, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के साथ संयुक्त रूप से दो दिवसीय "कृषि विस्तार में नवाचारों पर राष्ट्रीय संवाद: आगे का रास्ता" का सह-आयोजन किया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (MSU), मिशिगन, यूएसए राष्ट्रीय वार्ता का आयोजन नाशा परिसर, नई दिल्ली में किया केंद्र और राज्य सरकारों, वैज्ञानिक संस्थानों, समेति, ईईआई, एटीएआरआई, केवीके, आत्मा, निजी विस्तार सेवा प्रदाताओं, किसान संगठनों और नीति निर्माताओं आदि के विविध हितधारकों सहित 250 से अधिक प्रतिभागियों (143 भौतिक रूप से, बाकी वर्चुअल रुप से) ने संवाद में भाग लिया।

चार तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा कुल 18 प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के काउंटी पेपर शामिल हैं। प्रख्यात विस्तार पेशेवरों को शामिल करते हुए एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई थी। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कृषि विस्तार में संस्थागत नवाचारों पर एक प्रस्तुति दी और कृषि विस्तार प्रणाली को मजबूत करने के लिए मैनेज द्वारा शुरू की गई पहलों को साझा किया।

राष्ट्रीय वार्ता के प्रमुख प्रतिभागी थे डॉ आर एस परोडा, अध्यक्ष, टीएएएस, डॉ टी महापात्रा, सचिव, डेर और महानिदेशक, आईसीएआर; डॉ आर बी सिंह, पूर्व, अध्यक्ष एनएएएस; डॉ करीम मारेडिया निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू); डॉ रीटा शर्मा, पूर्व सचिव ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार; डॉ. पी चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज; डॉ क्वेंटिन टायलर, डीई, एमएसयू; डॉ ए. के. सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भाकृअनुप; डॉ वी सदामते, पूर्व सलाहकार, योजना आयोग और डॉ अर्जुन कुमार श्रेष्ठ, निदेशक (आर एंड ई), नेपाल; मोहम्मद हमीदुर रहमान, पूर्व डीजी (एग्रील एक्सटेंशन), ढाका; डॉ गुणसिंहम मिकुंथन, श्रीलंका और भाकृअनुप-अटारी के कई राष्ट्रीय हितधारक; श्री योगेश थोराट, महा एफपीसी पुणे जैसे प्रभावी गैर सरकारी संगठन; बीके सिंह, बीकेसी मौसम नोएडा; श्री शेखर भादसावले, सगुना फार्म; श्री आईएफएडी के डिजिटल कृषि विशेषज्ञ शेख मीरा; और बसवराज गिरनवर, कैब प्राइवेट लिमिटेड।

संवाद में वर्तमान कृषि विस्तार प्रणाली से संबंधित प्रमुख बाधाओं पर चर्चा की गई, किसानों के बीच नवाचारों/प्रौद्योगिकियों और संबंधित ज्ञान के उपयोगी प्रसार के लिए प्रभावी और कुशल मॉडल सुझाए गए।

किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी

मैनेज और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन (आईएनएसईई) ने 22-24 अप्रैल 2022 के दौरान मैनेज, हैदराबाद में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के सतत विकास के लिए व्यापक विस्तार रणनीतियों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में कृषि विश्वविद्यालयों, प्रमुख एफपीओ, आईसीएआर संस्थानों, राज्य विभागों, कृषि उद्यमियों, गैर सरकारी संगठनों और अनुसंधान विद्वानों का प्रतिनिधित्व करने वाले 200 से अधिक प्रतिभागियों (60 भौतिक रूप से और बाकी वर्चुअल) ने भाग लिया।

श्री. मनोज आहूजा, आईएएस, सचिव (कृषि), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। महानिदेशक, मैनेज, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा ने अपने स्वागत भाषण में उभरते बाजारों का पूरा लाभ उठाने के लिए एफपीओ की क्षमता में सुधार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. के. नारायण गौड़ा, अध्यक्ष, आईएनएसईई, पूर्व कुलपति, यूएएस, बैंगलोर; डॉ. आर सिन्हा, उपाध्यक्ष, संस्थापक सदस्य, आईएनएसईई; डॉ. वी. वी. सदामते, उपाध्यक्ष, आईएनएसईई, कृषि विस्तार विशेषज्ञ और कैप्टन डॉ. एल.बी. कलंत्री, महासचिव आईएनएसईई भी उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे। डॉ. एस अय्यप्पन, पद्म श्री अवार्डी, पूर्व महानिदेशक, आईसीएआर; डॉ. जे. पी. शर्मा, कुलपति, एसकेयूएएसटी, जम्मू, डॉ. ए.के. सिंह, डीडीजी (विस्तार) आईसीएआर और डॉ. सुधीर कुमार गोयल, आईएएस (सेवानिवृत), कृषि नीति विशेषज्ञ ने भी संगोष्ठी में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

एफएओ में महानिदेशक के विशेष प्रतिनिधि डॉ. डैनियल गुस्ताफसन ने 23 अप्रैल 2022 को अपनी विशेष वार्ता में क्षमता निर्माण, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी, मूल्य श्रृंखला और बाजार अभिविन्यास, निजी क्षेत्र की भागीदारी और एफपीओ में डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

सम्मेलन के दौरान, प्रतिभागियों ने एफपीओ के सभी पहलुओं को कवर करने वाले सात प्रमुख विषयों पर 35 शोध पत्र प्रस्तुत किए। प्रत्येक विषय में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्रों को पुरस्कार मिला। उद्घाटन सत्र के दौरान जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट का एक विशेष अंक, मैनेज की अर्ध-वार्षिक पत्रिका, जिसमें संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्र शामिल थे, का विमोचन किया गया।

समापन सत्र के दौरान, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने दिन के संगोष्ठी का अवलोकन दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि मैनेज एफपीओ अकादमी देश में एफपीओ की क्षमता का निर्माण करेगी और एफपीओ के सतत विकास के लिए आवश्यक विस्तार सहायता प्रदान करेगी।

डॉ अशोक दलवाई, अध्यक्ष, किसानों की आय (डीएफआई) समिति और सीईओ, राष्ट्रीय वर्षा सिंचित क्षेत्र प्राधिकरण, भारत सरकार ने अपने समापन भाषण में कहा कि एफपीओ के विकास के लिए विस्तार रणनीतियों को जोड़ने की जरूरत है। श्री. राज किरण राय, प्रबंध निदेशक और सीईओ, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और डॉ. राजेंद्र प्रसाद कुलपति, यूएएस, बैंगलोर, सम्मानित अतिथियों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. के.सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई), मैनेज ने किया।

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू), यूएसए के साथ साझेदारी को मजबूत करने पर गोलमेज बैठक

मैनेज ने कृषि विकास के लिए मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू) के साथ साझेदारी को मजबूत करने पर 4 अप्रैल 2022 को कृषि भवन, नई दिल्ली में डॉ अभिलाक्ष लिखी, अपर सचिव, डीए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार की अध्यक्षता में एक गोलमेज बैठक आयोजित की गीयी।

डॉ. क्वेंटिन टेलर, एमएसयू-एक्सटेंशन के निदेशक, डॉ. करीम मारेडिया, एमएसयू में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड नेचुरल रिसोर्सेज एंड इंटरनेशनल प्रोग्राम्स के निदेशक, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. नवीन कुमार पाटले, अपर आयुक्त (बागवानी) और कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन, डॉ. एस के सिंह, नेफेड के प्रबंध निदेशक, श्री रंजीत सिंह, निदेशक, आईसी डिवीजन, डीए एंड एफडब्ल्यू और विस्तार प्रभाग, डीए एंड एफडब्ल्यू के वरिष्ठ अधिकारियों ने गोलमेज बैठक में भाग लिया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने डॉ. अभिलक्ष लिखी, अपर सचिव, डीए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा अध्ययन यात्रा के अनुवर्ती के रूप में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी गतिविधियों की प्रगति पर एक प्रस्तुति दी गयी। एमएसयू-एक्सटेंशन के निदेशक डॉ. क्वेंटिन टेलर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में भूमि-अनुदान मॉडल के तहत कृषि अनुसंधान, विस्तार और कृषि व्यवसाय प्रणाली में सामुदायिक जुड़ाव में एमएसयू की पहल के बारे में बताया।

अपनी समापन टिप्पणी और आगे के संदेश में, डॉ अभिलक्ष लिखी ने सरकार के चल रहे कार्यक्रमों और योजनाओं पर प्रकाश डाला। भारत सरकार, नीतियां, सुधार, एफपीओ आंदोलन, संघ कृषि सहकारी समितियां, डिजिटल कृषि, कृषि स्टार्टअप और भारत में हनीबी मिशन। उन्होंने कहा कि कृषि विकास के लिए एमएसयू के साथ साझेदारी को मजबूत करने का बहुत अच्छा अवसर है।

एफएओ के प्रतिनिधि डॉ. डेनियल गुस्ताफसन ने मैनेज का दौरा किया

एफएओ के महानिदेशक के विशेष प्रतिनिधि डॉ. डेनियल गुस्ताफसन ने 23 अप्रैल 2022 को मैनेज का दौरा किया और मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेखरा से मुलाकात की और मैनेज-एफएओ सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की।

भारत और कई विकासशील देशों में कृषि विस्तार प्रणालियों को मजबूत करने के लिए मैनेज की गतिविधियों, कार्यक्रमों और पहलों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

डॉ. गुस्ताफसन ने उद्धृत किया कि कृषि विस्तार की चुनौतियों का समाधान करने के लिए मैनेज दुनिया में एक अनूठा संस्थान है और कृषि विस्तार प्रणाली को मजबूत करने में अपनी अभिनव गतिविधियों के माध्यम से मैनेज द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की।

कृषि इनपुट विपणन पेशेवरों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम

कृषि इनपुट उद्योग के मध्यम और वरिष्ठ स्तर के नेताओं को कार्यकारी शिक्षा प्रदान करने के लिए, मैनेज, रे वन एग्री कंसल्टिंग के सहयोग से 11-13 मई 2022 के दौरान मैनेज में तीन दिवसीय कृषि इनपुट मार्केटिंग कार्यकारी विकास कार्यक्रम (एआईएम-ईडीपी) का आयोजन किया है।

यह कार्यक्रम कृषि इनपुट उद्योग में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के नेताओं को व्यापार विकास को बनाए रखने की चुनौती से निपटने के लिए तैयार करेगा, साथ ही एक बदलते कारोबारी माहौल में अवसरों का लाभ भी उठाएगा।

सहयोगी एआईएम-ईपीडी कार्यक्रम की औपचारिक रूप से घोषणा की गई और 1 अप्रैल 2022 को मैनेज में डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और श्री राजकुमार अग्रवाल द्वारा लॉन्च किया गया। रे वन एग्री कंसल्टिंग के संस्थापक और सीईओ राज कुमार अग्रवाल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर, मैनेज और रे वन एग्री कंसल्टिंग दोनों ने कार्यक्रम के डिलिवरेबल्स को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए और आदान-प्रदान किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक मैनेज ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य बदलते कारोबारी माहौल और इसकी आवश्यकताओं पर कृषि-इनपुट उद्योग के नेताओं की क्षमता को बढ़ाना था। डॉ. शैलेन्द्र, उप निदेशक (बी.एस.) ने कार्यक्रम का समन्वयन किया हैं।

एमएसयू (MSU)-विस्तार टीम ने मैनेज का दौरा किया

डॉ. क्वेंटिन टायलर, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (MSU)-एक्सटेंशन के निदेशक, और डॉ. करीम मारेडिया, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड नेचुरल रिसोर्सेज (CANR) और इंटरनेशनल प्रोग्राम्स के निदेशक, एमएसयू, यूएसए से, 5-6 अप्रैल के दौरान मैनेज का दौरा किया। 2022 और मैनेज के साथ सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करने और तलाशने के लिए डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की।

वर्ष 2022-23 में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों और गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए मैनेज-एमएसयू साझेदारी की सहयोगी गतिविधियों की प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

एमएसयू टीम ने देश में विभिन्न पहलों और योजनाओं के मैनेज चुनिंदा हितधारकों के साथ भी बातचीत की।

सफल एसी और एबीसी एग्रीप्रेन्योर, एग्री स्टार्टअप, मैनेज फैसिलिटेटर्स, सर्टिफाइड फार्म/लाईवस्टॉक एडवाइजर्स (सीएफए/सीएलए), डीएईएसआई, एसीएडीपी उम्मीदवार, अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी, नेशनल नेटवर्क ऑफ एग्री जर्नलिस्ट्स (एनएनएजे) के सदस्य, स्वैच्छिक एसोसिएशन (सेवा) के माध्यम से सेवा विस्तार, कृषि विस्तार प्रबंधन विशेषज्ञों का राष्ट्रीय नेटवर्क (NNAEME), और समेति, ईईआई, आईसीआरआईएसएटी, एनएएफईडी सहित कुछ मैनेज भागीदार संस्थानों ने सहयोगी पहल और अनुभव साझा किए।

एग्रीकल्चर टुडे पत्रिका ने मैनेज की सराहना की

"एग्रीकल्चर टुडे" - एक अग्रणी कृषि पत्रिका, ने अपना अप्रैल 2022 का अंक भारत के कृषि उद्यमियों को मनाने के लिए समर्पित किया।

इसने भारत में एसी और एबीसी योजना के कृषि उद्यमियों की सफलता की कहानियों को चित्रित किया और बेरोजगार विज्ञान स्नातकों को सफल कृषि उद्यमियों में बदलने के लिए डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और डॉ. शाहजी फंड, प्रधान समन्वयक, एसी और एबीसी के अपार प्रयासों की सराहना की।

एग्रिकल्चर टुडे के संपादक और सीईओ श्रीमती ममता जैन ने अपनी टीम के साथ मैनेज का दौरा किया और महानिदेशक, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा के साथ विशेष मुद्दे को साझा किया और कृषि उद्यमियों पर एक विशेष अंक प्रकाशित करने के लिए एक विचार को ट्रिगर करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

मैनेज कृषि ज्ञानदीप नॉलेज लेक्चर सिरीज

#14 एमएसयू एक्सटेंशन के नवाचार और शिक्षा

डॉ. क्वेंटिन आर. टायलर, निदेशक, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू)-एक्सटेंशन, यूएसए ने 6 अप्रैल, 2022 को "एमएसयू एक्सटेंशन के नवाचारों और शिक्षा" पर मैनेज कृषि ज्ञानदीप नॉलेज लेक्चर सीरीज-14 दिया।

अपनी प्रस्तुति में, डॉ. टायलर ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ केंटकी कोऑपरेटिव एक्सटेंशन सर्विस की तुलना मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी एक्सटेंशन सर्विस के साथ नेतृत्व, कर्मियों, वित्तपोषण, हितधारक भागीदारी, महामारी प्रतिक्रिया, और विस्तारवादियों के लिए संभावनाओं और चुनौतियों जैसे क्षेत्रों पर दी।

https://www.youtube.com/watch?v=7EOUEV3NBYM&list=PLKdGSMvJOxVoJWCJUjqmWhRhw2_T_F9Hs&index=14

मैनेज बुलेटिन का प्रकाशक	मुख्य संपादक
	डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
डॉ. पी.चंद्रा शेखरा, महानिदेशक	महानिदेशक, मैनेज
	संपादक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)	डॉ. श्रीनिवासा चार्युलु
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)	एसोसिएट एडिटर
राजेनद्रनगर, हैदराबाद –500030, भारत.	अपर्णा वी. आर., मैनेज फेलो
Tel: 040-24594509, Fax: 040-24015388	
	हिन्दी अनुवाद
	डॉ. के. श्रीवल्ली, वरिष्ठ अनुवादक